

अध्याय ~ 18

क्रम व्यवस्थापन

व्यवस्थापन का अर्थ है-व्यवस्था करना। हिन्दी व्याकरण में शब्दों और वाक्यों को क्रम के अनुसार व्यवस्थित या एकीकृत करने की प्रक्रिया क्रम व्यवस्थापन कहलाती है।



विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में 'क्रम व्यवस्थापन' सम्बन्धी प्रश्न पूछे जाते हैं। ऐसे प्रश्नों में अव्यवस्थित क्रम को सुव्यवस्थित करना होता है। क्रम व्यवस्थापन पर आधारित प्रश्न दो प्रकार से पूछे जाते हैं—'वाक्य-क्रम व्यवस्थापन' और 'अनुच्छेद-क्रम व्यवस्थापन'।

वाक्य-क्रम व्यवस्थापन के प्रश्नों में अव्यवस्थित वाक्यांशों से एक सही क्रमबद्ध वाक्य बनाना होता है।

अनुच्छेद-क्रम व्यवस्थापन के प्रश्नों में अव्यवस्थित वाक्यों से एक सही क्रमबद्ध अनुच्छेद बनाना होता है। परीक्षा में, एक क्रमबद्ध सही वाक्य को छः हिस्सों में बाँट दिया जाता है। पहला, छठा हिस्सा तो सही स्थान पर रहता है, जबकि बीच के चार हिस्सों को ऊपर-नीचे कर देते हैं और परीक्षार्थियों से अपेक्षा रखी जाती है कि वह उन ऊपर-नीचे किए गए चार वाक्य खण्डों को उनकी मूल स्थिति में रख वाक्य को सही रूप दें।

क्रम-व्यवस्थापन सम्बन्धित नियम

- प्रश्न में दिए गए संख्या (1) वाले वाक्य को ध्यान में रखकर उसे आगे दिए गए (य), (र), (ल) तथा (व) वाले वाक्य खण्डों के साथ जोड़िए।
- प्रश्न में दिए गए वाक्य (1) व (6) के स्थान में परिवर्तन नहीं करना चाहिए।
- प्रत्येक वाक्य का एक प्रवाह होता है। जैसे ही आप (1) को सही वाक्य-खण्ड से जोड़ेंगे, वाक्य के अर्थ का प्रवाह आरम्भ हो जाएगा, जिसे आप सरलता से अनुभव कर सकते हैं।
- याद रखिए, बेमेल वाक्य/वाक्यांश आपको सदैव अटपटा-सा लगेगा; क्योंकि सरलता, सहजता और प्रवाह को अनुभव किया जा सकता है।
- पहले और दूसरे वाक्य-खण्डों के मिलते ही शेष दो वाक्य खण्ड/वाक्य तो सरलता से मिल ही जाते हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नावली

वाक्य-क्रम व्यवस्थापन सम्बन्धी प्रश्न

निर्देश (प्र. सं. 1-29) निम्नलिखित वाक्यों में उनके प्रथम तथा अंतिम अंश संख्या 1 और 6 के अन्तर्गत दिए गए हैं। बीच वाले चार अंश (य), (र), (ल), (व) के अन्तर्गत बिना क्रम के हैं। चारों अंशों को उचित क्रमानुसार व्यवस्थित कर सही विकल्प चुनिए।

- (1) सामान्य व्यक्ति
(य) तो असीम सुख और सन्तोष का
(र) अपने प्रेम की सीमा रेखा अपने परिवार
(ल) लेकिन यदि इसका क्षेत्र और व्यापक किया जा सके
(व) प्रियजन व मित्रों तक सीमित रखते हैं
(6) आनन्द प्राप्त हो सकता है।
(a) ल व र य (b) र व ल य
(c) व य र ल (d) य र ल व
- (1) भारत की लोकतान्त्रिक
(य) केन्द्रीय तथा राज्य (र) व्यवस्था केवल
(ल) सरकारों तक ही (व) सीमित नहीं है
(6) स्थानीय स्तर पर भी वह लोकतान्त्रिक है।
(a) र य ल व (b) ल र व य
(c) य र ल व (d) व र ल य

- (1) प्राचीन परम्परा के अनुसार
(य) सारी रात होता है (र) जिसमें शहर के लोग
(ल) मणिपुरी नृत्य में रास (व) एकत्र होकर
(6) रास का आनन्द लेते हैं।
(a) य र ल व (b) ल य र व
(c) य व र ल (d) ल र य व
- (1) मुरली की स्वर लहरी पर
(य) चुम्बक की भाँति गोपिकाएँ (र) नृत्य करते हुए
(ल) खिंची चली आती हैं (व) और कृष्ण के चारों ओर
(6) सुध-बुध खो बैठती हैं।
(a) व ल य र (b) र ल व य
(c) य ल व र (d) य र ल व
- (1) भरतनाट्यम् नर्तकी का शृंगार
(य) की जाती है कि उसका रूप
(र) सूक्ष्मता व चतुरता से
(ल) लावण्य व आकर्षण अपने
(व) व साज-सज्जा इतनी सावधानी
(6) चरम सौन्दर्य पर पहुँच जाता है।
(a) य र ल व (b) य व र ल
(c) य व ल र (d) व र य ल

6. (1) सिर्फ धुंधला-सा
(य) संघर्ष अन्तर्द्वन्द्व और ताप जैसे
(र) संवेदन इतना अवश्य था कि जैसे बर्फ की सिल के
(ल) वैसे ही हिमालय की शीतलता माथे को छू रही है और
(व) सामने खड़े होने पर मुँह पर ठण्डी-ठण्डी भाप लगती है
(6) नष्ट हो रही है। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2009)
(a) र व य ल (b) य र ल व (c) व ल र य (d) ल य र व
7. (1) पौराणिक दृष्टान्त के अनुसार
(य) कदाचित् इसीलिए वैष्णव भक्तों ने
(र) भगवान विष्णु ने लोगों को
(ल) मोहिनी का रूप धारण किया था
(व) आकृष्ट करने के लिए
(6) इस नृत्य-नाटिका को 'मोहिनीअट्टम्' की संज्ञा से विभूषित किया।
(a) य र ल व (b) र व ल य (c) ल व य र (d) र य व ल
8. (1) क्रोध से मूढ़ता
(य) भ्रम से बुद्धि का नाश होता है (र) स्मृति में भ्रम होता है,
(ल) उत्पन्न होती है, मूढ़ता से (व) और बुद्धि नष्ट होने से
(6) प्राणी स्वयं नष्ट हो जाता है।
(a) व ल र य (b) र ल व य (c) ल र य व (d) य र ल व
9. (1) यदि हम सम्पूर्ण विश्व की खोज करें
(य) के लिए जिसे
(र) ऐसे देश का पता लगाने
(ल) शक्तिशाली और सुन्दर बनाया है
(व) प्रकृति ने सर्वसम्पन्न
(6) तो मैं भारतवर्ष की ओर संकेत करूँगा।
(a) ल य व र (b) व ल य र (c) य र ल व (d) र य व ल
10. (1) भाग्य के भरोसे
(य) भाग्य भी सोया (र) बाँधकर खड़े होने पर
(ल) रहता है और हिम्मत (व) बैठे रहने पर
(6) भाग्य भी उठ खड़ा होता है।
(a) व य ल र (b) ल र य व (c) य र ल व (d) र ल व य
11. (1) अच्छी तरह सोचना
(य) काम को पूरा करना (र) उत्तम है और अच्छी तरह
(ल) अच्छी योजना बनाना (व) बुद्धिमत्ता है
(6) सबसे अच्छी बुद्धिमत्ता है।
(a) य र ल व (b) व ल र य (c) व य र ल (d) र व य ल
12. (1) मैं कोई काम
(य) प्रार्थना के बिना (र) के लिए प्रार्थना
(ल) नहीं करता, मेरी आत्मा (व) उतनी ही अनिवार्य है
(6) जितना शरीर के लिए भोजन।
(a) र ल व य (b) व ल र य (c) य ल र व (d) ल र व य
13. (1) हमारी प्रार्थना
(य) सर्व-सामान्य की भलाई (र) क्योंकि ईश्वर
(ल) के लिए होनी चाहिए (व) जानता है कि
(6) हमारे लिए अच्छा क्या है?
(a) र ल य व (b) व र ल य (c) ल र व य (d) य ल र व
14. (1) लोकतन्त्र में सरकार
(य) निश्चित एवं (र) होती है
(ल) जब जनता का मत (व) तब मजबूत
- (6) निर्णयात्मक होता है।
(a) व र ल य (b) य र ल व (c) ल य र व (d) र य ल व
15. (1) बुद्धिमान के पास थोड़ा-सा धन
(य) बढ़ता रहता है
(र) हो तो वह भी
(ल) काम करते हुए संयम के द्वारा
(व) वह दक्षतापूर्वक
(6) सर्वत्र प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेता है।
(a) र य व ल (b) य र ल व (c) ल व र य (d) व य ल र
16. (1) पुरुषार्थ उसी में है
(य) जो संकट (र) निर्णय लेने
(ल) की घड़ी में (व) में कोई
(6) संकोच नहीं करता।
(a) य र ल व (b) य ल र व
(c) ल व र य (d) व र ल य
17. (1) पुरुषार्थ करने पर
(य) जपने वाले को
(र) दरिद्रता नहीं रहती,
(ल) मौन होने से कलह नहीं होता
(व) पाप नहीं लगता
(6) और जागने वाले के निकट भय नहीं आता।
(a) य र ल व (b) ल व य र
(c) र य व ल (d) व ल र य
18. (1) जो मनुष्य दूसरों की जीविका का
(य) कराते हैं और मित्रों में
(र) हैं दूसरों की स्त्री या पति से वियोग
(ल) भेद-भाव उत्पन्न करते हैं
(व) नाश करते हैं, दूसरों का घर उजाड़ते
(6) वे अवश्य नरक में जाते हैं।
(a) व र ल य (b) र ल व य (c) य र ल व (d) व र य ल
19. (1) मानव जीवन का उद्देश्य
(य) उपाय पारमार्थिक भाव से (र) और उसकी सिद्धि का
(ल) आत्मदर्शन है (व) मुख्य एवं एकमात्र
(6) जीव मात्र की सेवा करना है।
(a) ल र व य (b) र य ल व (c) व ल र य (d) य र ल व
20. (1) आण्विक अस्त्रों के विरोध में
(य) उद्घाटन करते हुए राजेन्द्र बाबू ने भारत को
(र) अपनी सेनाएँ विघटित कर दे तो
(ल) यह सुझाव दिया था कि यह देश
(व) दिल्ली में जो सार्वभौम समारोह हुआ था, उसका
(6) इससे संसार को एक नया रास्ता मिल सकता है।
(a) र व य ल (b) ल य र व (c) व य ल र (d) य ल व र
21. (1) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(य) और नवयुग की चेतना लेकर निबन्ध के
(र) एवं विचारात्मक कोटियों में रखे जा सकते हैं जो
(ल) प्राचीन सांस्कृतिक परम्परा का गम्भीर ज्ञान
(व) क्षेत्र में अवतरित हुए तथा इनके निबन्ध भावात्मक
(6) इनके व्यक्तित्व की छाप लिए हुए हैं।
(SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2005)
(a) व र ल य (b) य र ल व (c) र व य ल (d) ल य व र

22. (1) जाति देश और काल की सीमाओं में
(य) साहित्यिक मूल्यांकन प्रस्तुत करेंगे, तो
(र) सामयिक आवश्यकता-रागात्मक एकता
(ल) साहित्य के उद्देश्य तथा
(व) बंधे रहकर यदि हम
(6) से ही दूर जा पड़ेंगे। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2005)
(a) व य ल र (b) ल र य व
(c) व र ल य (d) य ल र व
23. (1) सच्ची बात तो यह है कि
(य) वह अपना मनोरंजन संगीत और अभिनय जैसे
(र) किसी भी युग का प्राणी ऐसा नीरस
(ल) आनन्ददायक साधनों के
(व) और हृदयहीन नहीं होता कि
(6) द्वारा नहीं करता। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2005)
(a) य र ल व (b) र व य ल
(c) ल व र य (d) व र ल य
24. (1) बहुत दिनों की इच्छा
(य) अभी तक पूरी नहीं हुई (र) ठीक जिसके चरित में
(ल) एक मानव-चरित लिखूँ (व) चरित नायक नहीं मिल रहा था
(6) नायकत्व प्रधान हो। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2005)
(a) य ल व र (b) ल र व य
(c) र ल व य (d) व य र ल
25. (1) स्वप्न में देखा
(य) आकाश की नीली लता में सूर्य, चन्द्र और ताराओं के फूल
(र) पृथ्वी की लता पर पृथ्वी के फूल
(ल) हाथ जोड़े खिले हुए एक अज्ञात शक्ति की समीर से हिल रहे हैं
(व) हाथ जोड़े आकाश को
(6) नमस्कार कर रहे हैं। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2005)
(a) र ल य व (b) ल य र व
(c) र व य ल (d) य ल र व
26. (1) मनुष्य पाँव से चलता है
(य) समुदाय से चलता है (र) तब उसे जीवन कहते हैं
(ल) प्राणों से चलता है (व) तब उसे यात्रा कहते हैं
(6) तब उसे समाज कहते हैं। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2005)
(a) व ल र य (b) य र ल व (c) र ल व य (d) ल य र व
27. (1) संक्षेपतः कहा जा सकता है कि
(य) अनायास ही मानव-जीवन की सर्वोपयोगी
(र) सरस साधन काव्य ही है, जिसका
(ल) चारों पदार्थों की प्राप्ति का सुलभ तथा
(व) अनुशीलन करने पर अल्पबुद्धि वाले प्राणी भी
(6) वस्तुओं को प्राप्त कर सकते हैं। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2005)
(a) र य व ल (b) ल र व य
(c) य र ल व (d) व ल र य
28. (1) गत अस्सी वर्षों के
(य) हमारे दिमाग को इतना भोथरा
(र) सुकुमार दुनिया हमारी पथराई आँखों के
(ल) बना दिया है कि संस्कृति की
(व) राजनीतिक आर्थिक संघर्षों ने
(6) सामने आकर भी नहीं आ पाती। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2005)
(a) ल र य व (b) र ल य व
(c) व य ल र (d) य र ल व

29. (1) मनोविनोद की क्षमता से युक्त होने के
(य) जहाँ एक ओर हास्य कविता की लोकप्रियता बढ़ी है
(र) कि उसमें घटिया और भौंडी बातों के समावेश से
(ल) और इसीलिए कवि-सम्मेलनों के आश्रय में विकसित होने के कारण
(व) वहीं दूसरी ओर एक हानि यह भी हुई है
(6) सूक्ष्म और परिष्कृत हास्य का स्तर गिर गया है। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2005)
(a) य र ल व (b) र व ल य
(c) व य र ल (d) ल य व र
- निर्देश (प्र.सं. 30-36) निम्नलिखित वाक्यों में उनके प्रथम तथा अन्तिम अंश संख्या 1 और 6 के अन्तर्गत दिए गए हैं। बीच वाले चार अंश (य), (र), (ल), (व) के अन्तर्गत बिना क्रम के हैं। चारों अंशों को उचित क्रमानुसार व्यवस्थित कर उचित विकल्प चुनें। (UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2005)
30. (1) कुल मिलाकर आत्मरक्षा
(य) की रपट तथा पुलिस अधिकारियों की
(र) बातों से यही निष्कर्ष सामने आता है कि
(ल) छात्राओं की आत्मरक्षा के लिए सुरक्षा के तरीकों में
(व) के मामले में महिला आयोग
(6) निपुण किया जाता है।
(a) व य र ल (b) य र ल व
(c) ल य र व (d) र ल व य
31. (1) तब चेचक के समानान्तर
(य) एक और बीमारी थी गौशीतला,
(र) इसका शिकार हो जाता और उसके
(ल) आम धारणा थी कि बीमार गाय का दूध पीने वाला
(व) प्रायः यह रोग गाय के थनों में होता है,
(6) हाथों में छोटे घाव व फुन्सियाँ हो जाती हैं।
(a) य ल र व (b) य र व ल
(c) र य ल व (d) य व ल र
32. (1) देश में सन्तुलित क्षेत्रीय विकास
(य) केन्द्र सरकार द्वारा उन उद्यमों में
(र) योजनागत और योजनेतर संसाधनों द्वारा
(ल) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के द्वारा
(व) की प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण कारण
(6) सीधे निवेश किया जाना है।
(a) व ल र य (b) र व य ल
(c) व ल य र (d) य ल र व
33. (1) राज्यों को विभिन्न योजनाओं के लिए
(य) जो संसाधन दिए जाते हैं (र) योजना आयोग के माध्यम से
(ल) देश के विभिन्न भागों का (व) उनका उद्देश्य
(6) सन्तुलित क्षेत्रीय विकास करना है।
(a) य ल व र (b) ल व य र
(c) व य ल र (d) र य व ल
34. (1) एक
(य) एक राष्ट्रीय चेतना (र) की समष्टि ही
(ल) लेकर रहने वाले व्यक्तियों (व) भौगोलिक सीमा में
(6) देश है। (उ.प्र. वन विभाग परीक्षा 2015)
(a) य र ल व (b) य ल व र
(c) व य ल र (d) व र ल य

35. (1) निस्संदेह

- (य) पिछले कुछ वर्षों में (र) यह संतोष का विषय है कि
(ल) लोगों का रुझान बढ़ा है (व) शास्त्रीय संगीत में

(6) और उपेक्षा भाव कम हुआ है।

- (a) र य व ल (b) य र व ल
(c) र य ल व (d) य व र ल

36. (1) जिस प्रकार

- (य) दहकना है उसी प्रकार (र) उसके स्वभाव का
(ल) मनुष्य का धर्म (व) अग्नि का धर्म

(6) पर्याय होना चाहिए।

- (a) व य ल र (b) ल य व र
(c) व य र ल (d) र ल य व

निर्देश (प्र. सं. 37-41) निम्नलिखित वाक्यों में उनके प्रथम तथा अंतिम अंश संख्या 1 और 6 के अन्तर्गत दिए गए हैं। बीच वाले चार अंश (य), (र), (ल), (व) के अन्तर्गत बिना क्रम के हैं। चारों अंशों को उचित क्रमानुसार व्यवस्थित कर सही विकल्प चुनिए।

37. (1) समय को परखने वाला

- (य) और समय की (र) रंक से धनाढ्य
(ल) करोड़पति से भिखारी (व) उपेक्षा करने वाला

(6) हो जाता है।

- (a) ल य र व (b) र य व ल
(c) ल र य व (d) र ल य व

38. (1) भारतीय गाँवों के

(UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2016)

- (य) अभी भारत सरकार को (र) सुधार के लिए
(ल) और राज्य सरकारों को (व) बहुत प्रयत्न

(6) करना होगा।

- (a) र य ल व (b) र य व ल
(c) ल य र व (d) ल र य व

39. (1) समाचार-पत्रों में

(UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2016)

- (य) प्रकाशित विज्ञापनों (र) आवश्यक तथा उत्तमोत्तम
(ल) पदार्थों से (व) द्वारा लोग उपयोगी,

(6) परिचित होते हैं।

- (a) र ल य व (b) य र ल व
(c) य व र ल (d) र य व ल

40. (1) प्राचीन काल में

(UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2016)

- (य) अनेक पुस्तकें उपलब्ध कराना
(र) जिससे एक व्यक्ति
(ल) पुस्तकें हस्तलिखित होती थीं
(व) के लिए विविध विषयों पर

(6) बड़ा कठिन था।

- (a) ल र व य (b) य व ल र
(c) ल व र य (d) य र ल व

41. (1) भारत जैसे

(UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2016)

- (य) देशों के लिए (र) कुटीर उद्योग
(ल) अधिक जनसंख्या वाले (व) अत्यन्त उपयोगी सिद्ध

(6) हो सकता है।

- (a) र व य ल (b) ल र य व
(c) य र व ल (d) ल य र व

अनुच्छेद-क्रम व्यवस्थापन सम्बन्धी प्रश्न

नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न में अनुच्छेद के पहले और अंतिम भागों को क्रमशः (1) और (6) की संख्या दी गई है। इनके बीच में आने वाले चार वाक्यों को (य), (र), (ल), (व) की संख्या दी गई है। ये चारों वाक्य उचित क्रम में नहीं हैं। इन्हें ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्पों में से उचित क्रम चुनिए तथा सही अनुच्छेद का निर्माण कीजिए।

42. (1) नखधर मनुष्य अब एटम बम पर भरोसा करके आगे की ओर चल पड़ा है

- (य) अब भी वह याद दिला देती है कि
(र) अब भी प्रकृति मनुष्य को उसके भीतर वाले अस्त्र से वंचित नहीं कर सकी है।
(ल) पर उसके नाखून अब भी बढ़ रहे हैं।
(व) तुम्हारे नाखून को भुलाया नहीं जा सकता।

(6) तुम वही लाख वर्ष पहले के नख-दन्तावलम्बी जीव हो, पशु के साथ एक सतह पर विचरने वाले और चरने वाले।

(SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2006)

- (a) ल र व य (b) य र ल व
(c) र ल य व (d) व य र ल

43. (1) सच्चे वीर पुरुष धीर, गम्भीर और आज़ाद होते हैं

- (य) उनके मन की गम्भीरता और शान्ति समुद्र की तरह विशाल और गहरी होती है।
(र) सच है कि सच्चे वीरों की नींद आसानी से नहीं खुलती
(ल) रामायण में वाल्मीकि ने कुम्भकर्ण की गाढ़ी नींद में वीरता का चिह्न दिखलाया है।
(व) वे कभी चंचल नहीं होते।

(6) वे सत्त्वगुण के क्षीर समुद्र में ऐसे डूबे रहते हैं कि उनको दुनिया की खबर ही नहीं होती।

- (a) र ल व य (b) य व ल र
(c) ल य व र (d) व ल र य

44. (1) भाषा को सीखना उसके साहित्य को मानना है

- (य) जब हम साहित्य के स्वर में बोलते हैं तब वे स्वर दुस्तर समुद्रों पर सेतु बांधकर
(र) और साहित्य को जानना मानव-एकता की स्वानुभूति है
(ल) दुर्लभ पर्वतों को राजपथ बनाकर
(व) मनुष्य की सुख-दुःख की कथा

(6) मनुष्य तक अनायास पहुँचा देते हैं।

(SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2006)

- (a) ल र व य (b) व र य ल
(c) र य ल व (d) य र ल व

45. (1) दहेज प्रथा का जन्म पुरानी सामाजिक प्रथाओं में ढूँढ़ा जा सकता है।

- (य) उसे नई गृहस्थी बसानी होती है।
(र) विवाह के बाद लड़की नए घर में जाती है।
(ल) अपना नया घोंसला बनाने में उसे अधिक असुविधा न हो, इसलिए उसे कुछ उपहार देने का रिवाज था।
(व) उपहार में उसे गृहस्थी में काम आने वाली वस्तुएँ स्वेच्छा से दी जाती थीं, कोई बाध्यता नहीं होती थी।

(6) पर धीरे-धीरे इसमें बुराईयाँ आती गईं।

- (a) ल य र व (b) व र य ल
(c) य र ल व (d) र य ल व

46. (1) कला के सम्बन्ध में हमारा दृष्टिकोण
(य) ईमानदारी के प्रति ही आग्रहशील होना चाहिए
(र) वस्तुतः कलात्मक सौन्दर्य केवल कल्पना विलास
(ल) आदर्श अथवा यथार्थ सम्बन्धी पूर्वग्रहों के स्थान पर अनुभूति की
(व) अथवा यथार्थ के प्रत्यांकन में निहित न होकर
- (6) इन दोनों के समन्वय में निहित है। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2006)
(a) ल य र व (b) य र ल व (c) र ल य व (d) व र ल य
47. (1) हिन्दी साहित्य के इतिहास का कालविभाजन कालक्रम की दृष्टि से चार कालों—आदि, पूर्व मध्य, उत्तर मध्य और आधुनिक में किया जाता है।
(य) अपभ्रंश काल में जैन, नाथ, सिद्ध कवियों द्वारा लिखित जो सामग्री उपलब्ध है, उसे वे साहित्य की कोटि में रखने को तैयार नहीं हैं।
(र) इसलिए वे आदिकाल को 'वीरगाथा काल' कहना उचित समझते हैं।
(ल) पं. रामचन्द्र शुक्ल ने काल क्रम से विभाजित इन कालखण्डों का नामकरण इस प्रकार किया—आदिकाल को अपभ्रंश काव्य और देशभाषा काव्य में विभाजित करके देशभाषा काव्य को 'वीरगाथा' नाम दिया।
(व) उनके अनुसार देशभाषा काव्य की वीरगाथात्मकता समूचे आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्ति है।
- (6) पूर्व-मध्यकाल को वे भक्तिकाल, उत्तर मध्यकाल को रीतिकाल और आधुनिक काल को गद्यकाल कहना उचित समझते हैं।
(a) य र ल व (b) ल य व र
(c) र ल व य (d) व र ल य
48. (1) साहस और आत्मविश्वास के साथ जीना ही सच्चा जीवन है।
(य) ऐसे व्यक्ति के सामने पहाड़ भी अपना सिर झुका लेते हैं।
(र) एक बार असफल होने पर भी नई उमंग, नए विश्वास व नए साहस से फिर प्रयत्न करता है।
(ल) और दुराशा उसके पास तक नहीं फटकती।
(व) साहसी व्यक्ति कभी-भी अपना कर्म नहीं छोड़ता।
- (6) ऐसे ही व्यक्ति अपने राष्ट्र व समाज के नेता होते हैं। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2006)
(a) र ल व य (b) ल र व य (c) व र य ल (d) य र ल व
49. (1) छायावादी युग प्रधानतः मुक्तक गीतों का युग है।
(य) रामकुमार वर्मा के गीत भी लोकप्रिय हुए हैं।
(र) चित्रमयी कल्पना तथा लाक्षणिक प्रतीकात्मक शैली को अपनाकर छायावादी कवियों ने कविता को सजीव और सरस बना दिया।
(ल) निराला और महादेवी के काव्य में गीति का सुन्दर विधान है।
(व) ये मुक्तक गीत गेय तथा संगीतात्मक हैं।
- (6) भावानुकूल छंद चयन करने में भी उन्होंने अपनी मौलिकता का प्रदर्शन किया है।
(a) ल य र व (b) य र ल व (c) र य ल व (d) व ल य र
50. (1) मानस-सिन्धु में उठने वाली स्मृति-तरंगें
(य) जो कभी हमारे थे
(र) पर वे अपनी मूक भाषा में एक सन्देश हमें दे जाती हैं
(ल) और उन क्षणों को
(व) काल के विषम तट से टकराकर विलीन भले ही हो जाएँ
- (6) पुनर्जीवित-सा कर जाती हैं। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2006)
(a) व र ल य (b) य र ल व
(c) र ल व य (d) ल य र व
51. (1) रेखाचित्र शब्द अंग्रेजी के 'स्केच' शब्द का हिन्दीकृत रूप है तथा दो शब्दों 'रेखा' और 'चित्र' के योग से बना है।
(य) रेखाचित्र में चित्रकला तथा साहित्य का सुन्दर सामंजस्य दिखलाई पड़ता है।
(र) इसमें शब्दों की कलात्मक रेखाओं के द्वारा किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा घटना के बाह्य तथा आन्तरिक स्वरूप का शब्द चित्र इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है कि पाठक के हृदय में उसका सजीव तथा यथार्थ चित्र अंकित हो जाता है।
(ल) रेखाचित्रकार शब्द शिल्पी होता है तथा चुने हुए शब्दों एवं विशिष्ट वाक्यों के द्वारा एक काल्पनिक, किन्तु सजीव चित्र प्रस्तुत करता है।
(व) जिस प्रकार चित्रकार तूलिका तथा रंगों के माध्यम से किसी सजीव चित्र का निर्माण करता है, उसी प्रकार रेखाचित्रकार शब्दों के द्वारा ऐसा भावपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, जो उसकी वास्तविक संवेदना को मूर्त रूप प्रदान करने में सफल होता है।
- (6) इसमें लेखक की निजी अनुभूति यथार्थ रूप से अभिव्यक्त होती है।
(a) य र ल व (b) र य व ल (c) व र ल य (d) ल र य व
52. (1) भू-धर और सागर के बीच अपनापन खोजने में सरिता को जो कठिनाई होती है
(य) वह बेचारी बार-बार अपने गंतव्य को भूलती-सी
(र) पछाड़ें खाकर लोट-लोट जाना चाहती है
(ल) मरुस्थल की अनन्त प्यास बुझाने के लिए
(व) इसे आज तक कोई नहीं जान पाया
- (6) पर स्वयं अपनी ही बनाई तटों की कारा में बहने के लिए विवश है। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2006)
(a) ल र य व (b) र ल व य (c) व य ल र (d) य र ल व
53. (1) रिपोर्टाज मूलतः फ्रांसीसी शब्द है और अंग्रेजी के 'रिपोर्ट' शब्द का पर्यायवाची तथा साहित्यिक नाम है।
(य) इसमें कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं तथा पाठकों की विशिष्टताओं का निजी सूक्ष्म निरीक्षण के आधार पर मनोवैज्ञानिक विवेचन तथा विश्लेषण होता है।
(र) वह इस प्रकार लिखता है कि वह जो कुछ लिख रहा है मानो उसका आँखों देखा ही हो।
(ल) रिपोर्टाज के लेखक को अपने वर्ण्य विषय का पूर्ण ज्ञान होता है।
(व) रिपोर्टाज में किसी घटना का इस प्रकार वर्णन किया जाता है कि पाठक उससे प्रभावित हो जाता है।
- (6) इसकी शैली विवरणात्मक तथा वर्णनात्मक होती है, जिसमें सरलता, रोचकता, आत्मीयता तथा प्रभावपूर्णता का विशेष महत्त्व होता है।
(a) ल र व य (b) र ल य व (c) य र ल व (d) व ल र य
54. (1) यदि वह विज्ञान का विद्यार्थी है
(य) यदि वह संस्कृत का आचार्य शास्त्री है
(र) किन्तु दोनों दूसरों का उपकरण ही बन सकते हैं
(ल) तो वह कुशल शिल्पी बन सकता है
(व) तो वह पौरहित्य या अध्यापन का कार्य कर सकता है।
- (6) और समाज और राजनीति के संचालन में वह अपने को असमर्थ पाते हैं। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2006)
(a) ल य व र (b) य र ल व
(c) र व य ल (d) व ल र य

55. (1) गद्य की नवीन विधाओं में निबन्ध सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथा विकसित है।
 (य) आलोचकों ने निबन्ध को गद्य की कसौटी माना है।
 (र) गद्य की भाषा की अभिव्यंजना शक्ति का सबसे अधिक प्रसार इसी विधा में होता है।
 (ल) निबन्ध का प्रयोग दार्शनिक तथा बौद्धिक अभिव्यक्ति के लिए होता था, किन्तु आधुनिक हिन्दी निबन्ध संस्कृत के निबन्ध से पूर्णतः भिन्न है तथा अंग्रेजी के 'एस्से' के अधिक निकट है।
 (व) इसके विषय की सीमा मानव जीवन के समान ही विस्तृत है।
- (6) यद्यपि इसमें बुद्धि तत्त्व की प्रधानता रहती है तथापि उसका सम्बन्ध हृदय तत्त्व से बना रहता है।
 (a) र य व ल (b) य ल र व (c) ल व य र (d) व र ल य
56. (1) स्वतन्त्रता के बाद हमारे इतिहासकारों को समझना चाहिए था
 (य) भारत के इतिहास का रूप ही बदल दिया
 (र) तथा हमारे अन्दर हीनता की भावना उत्पन्न करने के लिए
 (ल) कि अंग्रेजों ने अपने आपको
 (व) मुगलों का कानूनी उत्तराधिकारी सिद्ध करने के लिए
- (6) आधुनिक इतिहासकारों को नए इतिहास की खोज करनी चाहिए।
 (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2006)
 (a) व ल र य (b) र ल व य (c) ल व र य (d) य र ल व
57. (1) कहानी आधुनिक साहित्य की सबसे अधिक लोकप्रिय विधा है।
 (य) इसका शीर्षक आकर्षक तथा रोचक होता है तथा कहानी के मूलभाव अथवा संवेदना की व्यंजना करने में समर्थ होता है।
 (र) कहानी कलात्मक छोटी रचना होती है, जो छोटी होते हुए बड़े-से-बड़े भाव की व्यंजना भी करने में समर्थ होती है।
 (ल) कहानी तथा उपन्यास की कला एक-दूसरे से भिन्न हैं।
 (व) इसका लक्ष्य किसी पात्र, घटना, भाव, संवेदना आदि की मार्मिक अभिव्यंजना करना होता है।
- (6) इसका आरम्भ तथा अन्त कलात्मक तथा प्रभावपूर्ण होता है।
 (a) ल र व य (b) य र ल व (c) र ल य व (d) व य ल र
58. (1) क्रोध अत्यन्त कठोर होता है।
 (य) लेकिन मौन वह मन्त्र है, जिसके आगे उसकी सारी शक्ति विफल हो जाती है।
 (र) वह मौन को सहन नहीं कर सकता।
 (ल) वह देखना चाहता है कि मेरा एक-एक वाक्य निशाने पर बैठता है या नहीं।
 (व) उसकी शक्ति अपार है, ऐसा कोई घातक अस्त्र नहीं है जिससे बढ़कर काट करने वाले मन्त्र उसकी शस्त्रशाला में न हों।
- (6) मौन उसके लिए अजेय है। (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2006)
 (a) ल र व य (b) य व र ल (c) र ल व य (d) व र ल य
59. (1) संस्मरण का अर्थ है—'सम्यक् स्मरण' अर्थात् संस्मरण में लेखक स्वयं अपनी अनुभव की हुई किसी वस्तु, व्यक्ति तथा घटना का आत्मीयता तथा कलात्मकता के साथ विवरण प्रस्तुत करता है।
 (य) रेखाचित्र में किसी के चरित्र का कलात्मक चित्र प्रस्तुत किया जाता है, किन्तु संस्मरण में किसी के चरित्र का यथातथ्य रूप प्रदर्शित किया जाता है।
 (र) इसमें किसी विशिष्ट व्यक्ति का स्वरूप, आकार-प्रकार, रूप-रंग, स्वभाव, भाव-भंगिमा व्यवहार, जीवन के प्रति दृष्टिकोण, अन्य व्यक्तियों के साथ सम्बन्ध, बातचीत आदि सभी बातों का विश्वसनीय रूप में आत्मीयता के साथ वर्णन होता है।

- (ल) इसमें लेखक अपनी अपेक्षा उस व्यक्ति को अधिक महत्व देता है, जिसका वह संस्मरण लिखता है।
 (व) इसका सम्बन्ध प्रायः महापुरुषों से होता है।
- (6) हिन्दी के प्रमुख संस्मरण लेखकों में श्रीनारायण चतुर्वेदी, बनारसी दास चतुर्वेदी, पद्मसिंह शर्मा आदि हैं।
 (a) य र ल व (b) व ल र य
 (c) र ल व य (d) ल व य र
60. (1) भारत कृषि-प्रधान देश है।
 (य) कृषि हमारे देश के अर्थतन्त्र की रीढ़ है।
 (र) यहाँ के लगभग सत्तर प्रतिशत निवासियों का व्यवसाय कृषि है।
 (ल) इसी पर हमारे अन्य उद्योगों का विकास निर्भर है।
 (व) यही कारण है कि हमारी विभिन्न आर्थिक समस्याएँ कृषि समस्या से जुड़ी हैं।
- (6) उन्हीं में से एक खाद्य समस्या भी है।
 (SSC हिन्दी अनुवादक परीक्षा 2006)
 (a) ल य व र (b) व ल र य
 (c) र य ल व (d) य र ल व
61. (1) गद्यकाव्य 'गद्य' तथा 'काव्य' के बीच की विधा है।
 (य) इसमें गद्य के माध्यम से किसी भावपूर्ण विषय की काव्यात्मक अभिव्यक्ति होती है।
 (र) इसमें विचारों की अभिव्यक्ति की अपेक्षा भावों की सरस अभिव्यक्ति की ओर लेखक का अधिक ध्यान रहता है।
 (ल) इसमें लेखक अपने हृदय की संवेदना की अभिव्यक्ति इस प्रकार करता है कि पाठक उसे पढ़कर रसमय हो जाता है।
 (व) इसका गद्य भी सामान्य गद्य से अधिक सरस, भावात्मक, अलंकृत, संवेदनात्मक तथा संगीतात्मक होता है।
- (6) यह निबन्ध की अपेक्षा संक्षिप्त वैयक्तिक तथा एकतथ्यता लिए होता है।
 (a) ल र य व (b) र ल व य
 (c) य र ल व (d) य व ल र
62. (1) जीवन एक संघर्ष है।
 (य) असहाय स्थिति में भी संघर्ष में कूदा जा सकता है।
 (र) मान लिया कि आपके पास साधनों का अभाव है, लेकिन आप तो हैं।
 (ल) भले ही आप कमजोर हैं, लेकिन विपदाओं से भिड़ने का, कुछ न कुछ करने का साहस तो आप में है।
 (व) इस संघर्ष में अपने आप को असहाय समझना और संघर्ष से मुँह मोड़ लेना उचित नहीं है।
- (6) यही बहुत है।
 (a) र ल व य (b) य र व ल
 (c) व य र ल (d) य व र ल
63. (1) सांस्कृतिक वैविध्य के बारे में सोचना होगा।
 (य) इसे चिन्तक के स्तर पर देखा जा सकता है।
 (र) संस्कृति के अन्तर्गत अनेक समानताएँ हैं।
 (ल) यही विविधता में एकता है।
 (व) यह हमें अलग-अलग नहीं बनाती।
- (6) यह हमारी एक बड़ी शक्ति है।
 (उत्तराखण्ड पुलिस उपनिरीक्षक परीक्षा 2014)
 (a) व र य ल (b) व ल र य
 (c) य व र ल (d) र व ल य

64. (1) हमारा देश त्योहारों का देश है।
 (य) ये त्योहार उल्लास जगाते हैं।
 (र) यहाँ अनेक त्योहार मनाए जाते हैं।
 (ल) समन्वय की भावना भी उत्पन्न करते हैं।
 (व) जनमानस में देश-भक्ति जगाते हैं।
- (6) इन अवसरों पर हम सब खुशियाँ मनाते हैं।
 (a) र ल व य (b) र य व ल (c) ल व य र (d) व य र ल
65. (1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल गम्भीर विचारक थे।
 (य) परिणामतः उन्होंने अपने निबन्धों में जिस भी विषय को उठाया, उसके नए आयामों का उद्घाटन किया।
 (र) उन्होंने अपने निबन्धों में इन तीनों का सामंजस्य स्थापित किया।
 (ल) उनका अध्ययन गहन एवं विस्तृत था।
 (व) उनका जीवनानुभव ठोस था।
- (6) भाव या मनोविकार निबन्ध इसका स्पष्ट प्रमाण है।
 (a) ल व र य (b) व ल र य (c) य व र ल (d) य ल व र
66. (1) हमें यह समझ लेना चाहिए कि
 (य) एक सुन्दर स्वरूप है और यह भी मानना होगा कि
 (र) धर्म की भाषा अधिक स्पष्ट, मूर्त और परिष्कृत
 (ल) होती गई है और इसके लिए बहुत हद तक
 (व) धर्म मानव जाति की मूलभूत अनुभूतियों का
- (6) विज्ञान ही उत्तरदायी है।
 (a) य र ल व (b) र ल व य (c) व य र ल (d) व य ल र
- निर्देश** (प्र.सं. 67-69) निम्नलिखित वाक्यों में उनके प्रथम तथा अन्तिम अंश संख्या 1 और 6 के अन्तर्गत दिए गए हैं। बीच वाले चार अंश (य), (र), (ल), (व) बिना क्रम हैं। चारों अंशों को उचित क्रमानुसार व्यवस्थित कर उचित विकल्प चुनें। (UPSSSC लेखपाल परीक्षा 2015)
67. (1) मजदूरों की बस्तियों में
 (य) वहाँ के बेकार रहने वाले व्यक्तियों के
 (र) व्यक्तियों के अपेक्षाकृत अनजान होने के
 (ल) और कल्याणकारी कार्यकलापों के न होने से
 (व) तथा मनोरंजन, शिक्षा आदि की सुविधाओं
- (6) बिगड़ने की सम्भावना बनी रहती है।
 (a) य ल र व (b) व ल य र
 (c) र व ल य (d) ल र व य
68. (1) अपने सुधी पाठकों के लिए हम आज से
 (य) ताकि इसकी ऐतिहासिक गरिमा अक्षुण्ण रहे
 (र) 'चन्द्रकान्ता' उपन्यास का अविकाल रूप प्रस्तुत कर रहे हैं।
 (ल) किसी फिल्मी अनुवाद का परिवर्तित होकर नहीं।
 (व) और नई पीढ़ी तक यह अपने मूलरूप में जाए,
- (6) अतएव हमने इसको उसी रूप में रहने दिया है, जैसे यह था।
 (a) य र ल व (b) र ल य व
 (c) र य व ल (d) ल य व र
69. (1) दूरदर्शन पर प्रदर्शित दो धारावाहिक
 (य) लोग इनकी पहले से प्रतीक्षा करते रहते हैं
 (र) इतने लोकप्रिय रहे हैं कि
 (ल) और इन्हें देखने के लिए
 (व) पहले 'रामायण' और अब 'महाभारत'
- (6) अपने सारे काम-काज छोड़ देते हैं।
 (a) ल व य र
 (b) र य ल व
 (c) य व ल र
 (d) व र य ल
70. हिन्दी के एक पूर्ण वाक्य को चार भागों में बाँट दिया गया है। आपको चारों भागों को चुनकर सही क्रम में लगाना है
 1. परन्तु अधिक संगठित और शक्तिशाली भी है
 2. विश्वासराव को तथागत की विशाल सेना का अनुमान था
 3. नहीं होगा, क्योंकि तथागत की सेना न केवल संख्या में अधिक है
 4. और उसने विचार बना लिया था कि ये साधारण युद्ध
- (इलाहाबाद उच्च न्यायालय RO/ARO 2019)
- (a) 4, 3, 2, 1 (b) 2, 3, 1, 4
 (c) 2, 4, 1, 3 (d) 2, 4, 3, 1

उत्तरमाला

1. (b)	2. (a)	3. (b)	4. (c)	5. (d)	6. (a)	7. (b)	8. (c)	9. (d)	10. (a)
11. (b)	12. (c)	13. (d)	14. (a)	15. (a)	16. (b)	17. (c)	18. (d)	19. (a)	20. (c)
21. (d)	22. (a)	23. (b)	24. (a)	25. (d)	26. (a)	27. (b)	28. (c)	29. (d)	30. (a)
31. (d)	32. (a)	33. (d)	34. (c)	35. (a)	36. (a)	37. (b)	38. (a)	39. (c)	40. (a)
41. (d)	42. (a)	43. (b)	44. (c)	45. (d)	46. (a)	47. (b)	48. (c)	49. (d)	50. (a)
51. (b)	52. (c)	53. (d)	54. (a)	55. (b)	56. (c)	57. (d)	58. (a)	59. (b)	60. (c)
61. (d)	62. (c)	63. (d)	64. (b)	65. (a)	66. (c)	67. (c)	68. (c)	69. (d)	70. (d)